

प्रश्नक

हरिओम  
संयुक्त सचिव  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

निदेशक  
उद्योग निदेशालय  
उत्तराखण्ड देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून दिनांक: 09 अप्रैल, 2009

विषय: वित्तीय वर्ष 2009-10 के अन्तर्गत उद्योग निदेशालय हेतु बचनबद्ध मदों में वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 205/XXVII(1)/2009 दिनांक 25 मार्च 2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2009-10 के प्रथम 04 माह (दिनांक 01 अप्रैल 2009 से 31 जुलाई 2009 तक) के लिए उद्योग निदेशालय हेतु सेवानुदानान्तर्गत बचनबद्ध मदों में विभिन्न विवरणानुसार ₹ 229.92 लाख (₹ 20 करोड़ उनतीस लाख बयानबद्ध हजार मात्र) की धनराशि व्यय किये जाने हेतु आपके निवेदन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं—

03-अधिष्ठान व्यय :-

कोड/मद का नाम	आवंटित धनराशि (हजार ₹ में)
01-वेतन	16667
03-महगाई भत्ता	3667
06-अन्य भत्ता	1833
08-कार्यालय व्यय	133
09-विद्युत देय	100
10-जलकर/जल प्रभार	17
13-टेलीफोन पर व्यय	100
16-गाड़ियों का अनुस्क्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	133
17-किराया उपशुल्क और कर स्वामित्व	75
27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	267
योग—	22992
(₹ 20 करोड़ उनतीस लाख बयानबद्ध हजार मात्र)	

2- वितरण अधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण बी0एम0-8 के प्रपत्र पर रखा जायेगा, और पूर्व के माह का व्यय विवरण उक्त अधिकारी द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को बजट मैनुअल के अध्याय-13 के प्रस्तर-116 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा और प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा तथा नियमित रूप से सरकार/शासन को उक्त विवरण प्रेषित नहीं किया जाता है तो उत्तरदायी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक (न्य0 मुख्य मंत्री जी/मुख्य सचिव) कार्यवाही करने हेतु सक्षम स्तर को अवगत कराया जायेगा। प्रशासनिक विभाग प्रस्तर-130 के अधीन उक्त आवंटित धनराशि के व्यय का नियंत्रण करेंगे।

3- उक्त धनराशि मात्र बचनबद्ध मदों में ही स्वीकृत की जा रही है, तथा इस आशय से आपके निर्वर्तन पर रखी जा रही है कि कृपया विभाग को उनकी गोंग के अनुरूप तत्काल उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। अवचनबद्ध मदों में धनराशि स्वीकृति हेतु प्रस्ताव औचित्य सहित शासन को उपलब्ध कराये ताकि वित्त विभाग की सहमति प्राप्त करते हुए उक्त मदों में धनराशि अवमुक्त की जा सके।

4- स्वीकृत धनराशि का व्यय दिनांक 31 मार्च 2010 तक अनिवार्य रूप से कर लिया जायेगा। यदि उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उस धनराशि को उक्त तिथि तक शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।

5- व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। व्यय मात्र उन्हीं मदों में किया जाय, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आबंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने में बजट नैनुअल/वित्तीय हस्तापुस्तिका के नियमों का उत्तम होना हो। धनराशि व्यय के उपरान्त व्यय की गई धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रपत्र पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जाय।

6- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखा शीर्षक-2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 102-लघु उद्योग, 00-आयोजनेतर 03-अधिष्ठान मद अन्तर्गत प्रस्तर-1 में उल्लिखित प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

7- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या:205/XXVII(1)/2009 दिनांक 25 मार्च, 2009 में इंगित निर्देशानुसार निर्गत किये जा रहे हैं।

भयदीय,

(हरिओम)

संयुक्त सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 808/VII-II-09/69-उद्योग/2006 तद दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा10 मुख्यमंत्री जी।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून/कोषाधिकारी देहरादून।
4. अपर सचिव वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
5. निदेशक, एनआईसी, सचिवालय परिसर, देहरादून।
6. वित्त अनुभाग-2
7. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(हरिओम)

संयुक्त सचिव।